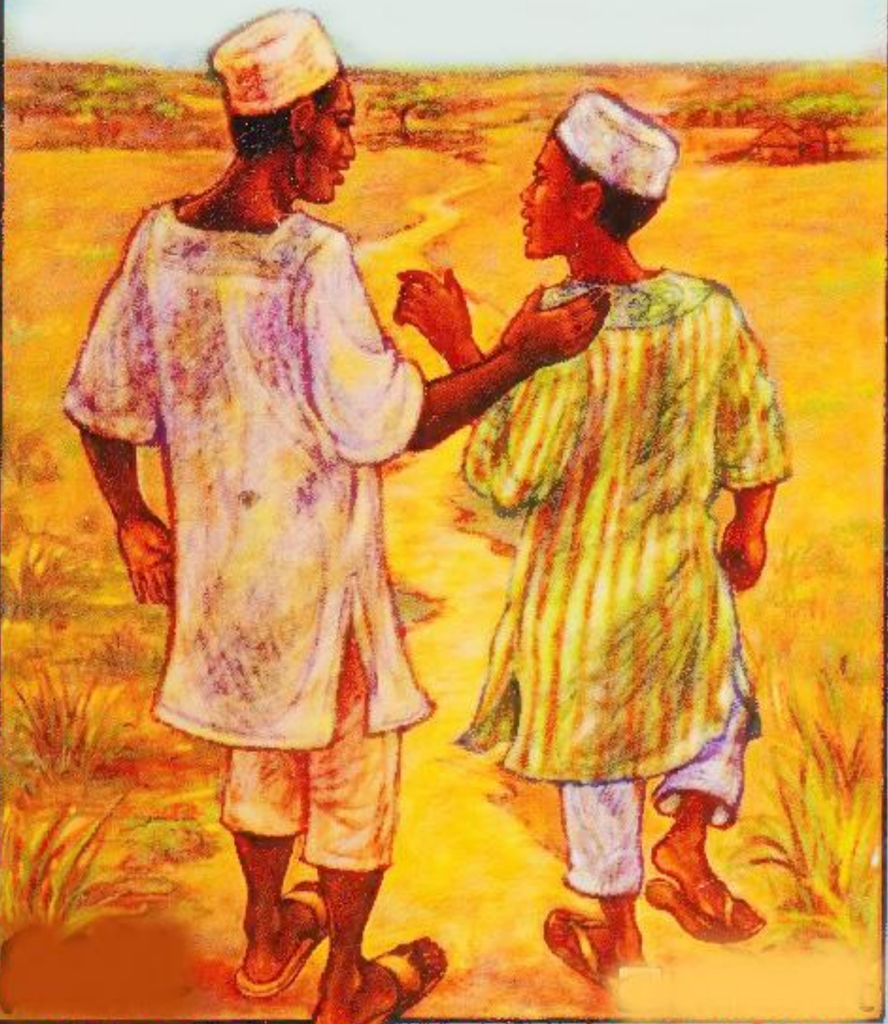
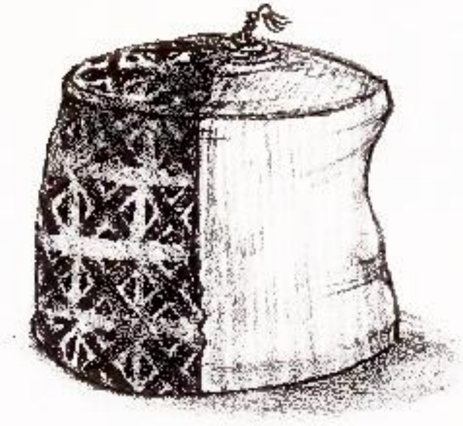
लाल और नीली टोपी

नाइजीरिया की लोककथा

आइरिस लिटिलमैन, चित्र: जेनिस स्किविंगटन

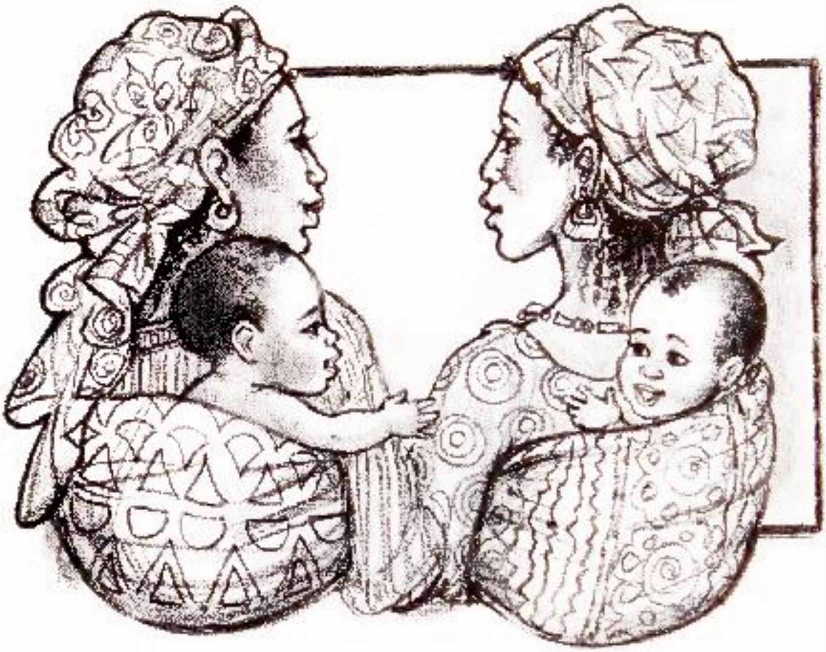




लाल और नीली टोपी

नाइजीरिया की लोककथा

आइरिस लिटिलमैन, चित्र: जेनिस स्किविंगटन



बहुत समय पहले और बहुत दूर एक छोटे से गाँव में, दो लड़के थे जिनके परिवार एक-दूसरे के बिल्कुल अगल-बगल रहते थे. ये लड़के सबसे अच्छे दोस्त थे. जब वे पहली बार मिले, तो वे अपनी माताओं की पीठ पर बंधे चमकीले कपड़ों में लटके हुए छोटे शिशु थे. वे एक-दूसरे को तब तक घूरते रहते थे जब तक कि एक बच्चा कूकने नहीं लगता और दूसरा हँसने नहीं लगता. फिर एक बच्चा दूध पीने के लिए चिल्लाता और दूसरा रोने लगता. जब वे अपने घुटनों के बल चलने लायक हुए, तो वे अपने खेतों को अलग करने वाली छोटे से पगडंडी पर रेंगते. उनकी माताओं को जल्द ही एहसास हो गया कि दोनों लड़के हर समय एक साथ रहना चाहते थे. एक लड़का लंबा और दुबला था, इसलिए लोग उसे लंबू बुलाने लगे. दूसरा लड़का उतना ऊंचा और दुबला नहीं था, इसलिए लोग उसे छोटू कहने लगे.

जैसे-जैसे वे बड़े हुए, लंबू और छोटू एक-टीम के रूप में साथ-साथ सब कुछ करते. वे जंगल में साथ-साथ घूमते और बड़े महोगनी पेड़ों के बीच पकड़म-पकड़ाई खेलते थे. साथ-साथ वे शोरगुल वाले बाज़ार में जाते थे, जहाँ वे कौड़ियों के बदले गोलियां और खाने की मिठाइयाँ खरीदते थे. वे एक ताड़ के पेड़ के नीचे बैठकर ढोल बजाने और कहानी सुनाने का अभ्यास करते थे. वे हर पल एक-दूसरे की संगति में बिताते थे. फिर भी वे आपस में कभी बहस नहीं करते थे. जब गाँव के लोग उन्हें देखते, तो सब उनके बारे में कहते, "लंबू और छोटू सबसे अच्छे दोस्त हैं."





जब लंबू और छोटू युवा हुए, तो उनके माता-पिता ने उनसे कहा कि अब उनकी शादी का समय आ गया है. उसके बारे में बात करने के लिए लंबू, छोटू के घर गया.

"सुनो छोटू," उसने कहा, "मेरे माता-पिता ने मुझे पत्नी की तलाश करने को कहा है. वे ऐसा कहते हैं. मैं बड़ा हो गया हूँ और अब मुझे अपना खुद का खेत संभालने चाहिए. मैं इस खबर से बहुत दुखी हूँ क्योंकि अब मुझे यह पुरानी जगह छोड़नी होगी. अब हम हर दिन एक-दूसरे से नहीं मिल सकेंगे. इस बात की बहुत संभावना है कि मैं यहाँ से कहीं बहुत दूर खेती करने चला जाऊं. निश्चित रूप से, भविष्य में, हमें एक-दूसरे से मिलने के लिए लंबी दूरी तय करनी होगी."

"एक मिनट रुको लंबू, मुझे तुम्हारी कहानी पर विश्वास नहीं हो रहा है," छोटू ने कहा. "देखो, कल रात मेरे पिता और मैं शाम को टहलने गए थे. उन्होंने मुझसे कहा कि अब मुझे भी अपनी खुद की ज़मीन ढूँढ़नी चाहिए ताकि मैं शादी करके अपना परिवार शुरू कर सकूँ. मैं पूरी सुबह उदास रहा, यह सोचकर कि उसके बाद हमारी दोस्ती का क्या होगा."

"यह वास्तव में एक परेशान करने वाली समस्या है," लंबू बोला. "हमें इसका समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करना चाहिए. हम अपनी पक्की दोस्ती को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते. बताओ, मुझे तुम्हारे जैसा दयालु और अच्छा पड़ोसी कहाँ मिलेगा?"

"लेकिन, मेरे प्यारे दोस्त, इसका एक ही जवाब है! निश्चिंत रहो - न तुम और न ही मैं, कभी किसी अजनबी को अपना पड़ोसी बनायेंगे, क्योंकि हम हमेशा एक-दूसरे के पड़ोसी बने रहेंगे!" छोटू ने कहा.





"तुम पहेलियों में बात कर रहे हो, छोटू. कृपया तुम स्पष्ट करके अपनी बात समझाओ!"

"क्या यह सच नहीं है कि हम दोनों अब जवान हो गए हैं?"

"हाँ, अब हमें अपने माता-पिता का घर छोड़ने का समय आ गया है."

"क्या यह सच नहीं है कि बहुत जल्द ही हम दोनों, खेत खरीदने के लिए की तलाशी करेंगे?"

"हाँ, जल्द ही हमें गाँव के बुजुर्गों से बात करनी होगी कि किसके पास बेचने के लिए ज़मीन है."

"क्या हम हर काम एक टीम के रूप में एक साथ नहीं करते हैं?"

"हाँ!"

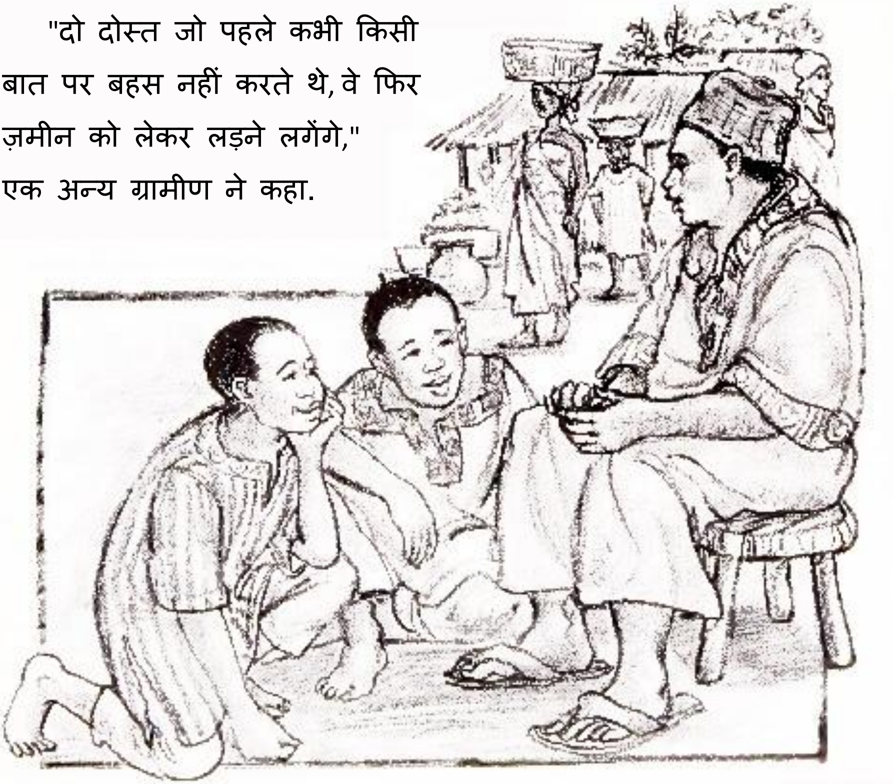
"तो यही जवाब है. हम अपनी ज़मीन एक साथ मिलकर खरीदेंगे! हम ज़मीन का एक बड़ा टुकड़ा खरीदेंगे और उसे दो हिस्सों में बाँटेंगे."

"छोटू, तुम एक बेहतरीन और एक समझदार दोस्त हो! हम ऐसे दो व्यक्ति होंगे जिनके खेत एक-दूसरे के अगल-बगल होंगे, ठीक उसी तरह जैसे बचपन में हमारे खेत एक दूसरे से सटे हुए थे!"

इसलिए दोनों दोस्त मिलकर ज़मीन खरीदने के लिए निकल पड़े. जिस किसी से भी उन्होंने बात की, उसने उन्हें हतोत्साहित करने की कोशिश की.

"कुछ खरीदना और फिर उसे बाँटना कोई अच्छा विचार नहीं है," एक ग्रामीण जिसके पास बहुत ज़मीन थी, ने कहा. "ज़मीन का कोई टुकड़ा बड़ा या सूखा या पथरीला हो सकता है, इसलिए एक व्यक्ति को बेहतर हिस्सा मिलेगा. यह कहने की ज़रूरत नहीं है कि फिर दूसरा व्यक्ति खुद को ठगा हुआ महसूस करेगा."

"दो दोस्त जो पहले कभी किसी बात पर बहस नहीं करते थे, वे फिर ज़मीन को लेकर लड़ने लगेंगे," एक अन्य ग्रामीण ने कहा.





लंबू और छोटू ने ग्रामीणों की सलाह न मानने का फैसला किया. उन्हें अपनी दोस्ती पर भरोसा था. उन्होंने अपना पैसा एक साथ लगाया, बिक्री के लिए उन्होंने एक बड़ा खेत ढूँढ़ा और फिर उसे खरीद लिया. उन्होंने ज़मीन के हर हिस्से का नक्शा बनाया. बड़ी मेहनत से उन्होंने सूखे, पथरीले, रेतीले और समतल हिस्सों को नोट किया. उसके बाद, उन्होंने तय किया कि खेत को दो हिस्सों में विभाजित करने के लिए नक्शे पर कहाँ रेखा खींची जाए. फिर उन्होंने एक नुकीली छड़ी ली और ज़मीन पर एक विभाजन रेखा खींची. अपना काम पूरा कर लेने के बाद वे एक बड़े, सपाट पत्थर पर बैठ गए.

"छोटू, क्या तुम संतुष्ट हो कि हमने अपनी संपत्ति का उचित बंटवारा किया है?"

"मुझे संतुष्टि है अगर तुम्हें लगता है कि हमने उचित काम किया है," छोटे ने मुस्कुराते हुए कहा. उसने मिट्टी में रेखा के एक तरफ **X** और दूसरी तरफ **O** बनाया.

लंबू ने एक अखरोट लिया और उस पर अपने चाकू से **X** उकेरा. फिर उसने एक अन्य अखरोट लिया. और उस पर **O** उकेरा. छोटू ने दोनों अखरोट एक टोकरी में रखे, और फिर दोनों ने अपनी आँखें बंद करके एक-एक अखरोट उठाया. इस तरह उन्होंने अपनी ज़मीन का बंटवारा किया. उन्होंने मिट्टी में बनी रेखा को एक टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडी में बदल दिया जो उनके दो खेतों के बीच से होकर गुज़रती थी. एक टीम जैसे काम करके उन्होंने लंबू के लिए एक झोपड़ी बनाई. जैसे ही लंबू की झोपड़ी तैयार हुई, उन्होंने छोटू के लिए भी एक झोपड़ी बनाई.



गांव में हर कोई हैरान था. लंबू और छोटू बिना किसी बहस के अपनी जमीन को बांटने में कामयाब हुए थे!

गांव के लोग जमीन के बंटवारे के बाद बनी टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडी को उत्सुकता से देखने के लिए उनके खेतों में आते. वे एक-दूसरे से कहते, "इन दो सबसे अच्छे दोस्तों के अलावा और कौन अपनी जमीन को बांटने का ऐसा नायाब तरीका खोज सकता था?"

"नमस्ते, लंबू!" एक पड़ोसी ने अचानक आकर पूछा. "तुम्हारा नया खेत कैसा चल रहा है?"

"बहुत बढ़िया," लंबू ने कहा. "मैंने आज का दिन छोटू के साथ अपने खेत में काम किया."

"तुम्हारा मतलब है कि तुमने अपने खेत में काम किया, और छोटू ने अपने खेत में काम किया, और तुम दोनों ने को हाथ हिलाकर एक-दूसरे का अभिवादन किया." पड़ोसी ने कहा.



"नहीं, पड़ोसी, आपने गलत समझा," छोटू ने अपनी झोपड़ी से बाहर आकर कहा. "कुछ दिन, लंबू मेरे खेत में मेरी मदद करता है, फिर हम दोनों उसके खेत में काम करते हैं. इस तरह हम एक-दूसरे की मदद करते हैं और दिन भर एक-दूसरे का साथ देते हैं."

"क्या इसका मतलब यह है कि तुम दोनों बिल्कुल एक ही संख्या में रतालू और बिल्कुल एक ही संख्या में फलियाँ उगाते हो?"

"बिल्कुल नहीं," लंबू बोला. "ऐसा कभी नहीं होता है, क्योंकि उपज कितनी होगी उसके बारे में कोई कुछ नहीं कह सकता है."

"अच्छा मुझे यह बताओ - क्या होगा अगर तुम में से कोई एक की, दूसरे की तुलना में रतालू की ज़्यादा फ़सल होगी?"

छोटू और लंबू हँसे. "यह हमारे लिए कोई समस्या नहीं है. हमने हमेशा एक-दूसरे को अपना जीवन सौंपा है," छोटू ने कहा.

"हमने कभी एक-दूसरे से कठोर शब्द नहीं कहे," लंबू ने कहा.

जल्द ही, लंबू और छोटू अपनी दोस्ती के लिए आस-पास के गांवों में मशहूर हो गए. जब लोग उन्हें बाजार में देखते, तो उनके बारे में कहते, "लंबू और छोटू सबसे अच्छे दोस्त हैं."

यह अजीब लग सकता है, लेकिन लोग दूसरों की खुशी और सफलता से ईर्ष्या करते हैं. ऐसा ही एक ग्रामीण के साथ हुआ जिसने लंबू और छोटू की दोस्ती के बारे में सारी बातें सुनीं. उस आदमी का उपनाम स्नेक था, और वह बहुत चालाक था. स्नेक ने दोनों दोस्तों को, एक-दूसरे से बहस करने के लिए उकसाने का फैसला किया.

वह हाथ के काम में बहुत कुशल था, और उसने चुपके से अपने लिए एक नई टोपी सिली. टोपी गांववालों द्वारा पहने जाने वाले सामान्य आकार की ही थी, लेकिन उस टोपी में एक बात बहुत ही अजीब बात थी.



स्नेक ने कपड़े के दो टुकड़ों से अपनी नई टोपी सावधानी से सिली थी. एक टुकड़ा लाल था, और दूसरा नीला. टोपी सामने से पीछे तक, बीच में बँटी हुई थी. अगर आप स्नेक को बायीं ओर से देखते, तो आपको लाल टोपी दिखाई देती. अगर आप उसे दायीं ओर से देखते, तो आपको वो नीली टोपी दिखाई देती. स्नेक ने अपनी नई टोपी अपने सिर पर रखी और गाँव के बाहरी इलाके में एक लंबी सैर पर निकल पड़ा, जहाँ लंबू और छोटू दोनों के खेत एक-दूसरे के बगल में थे.





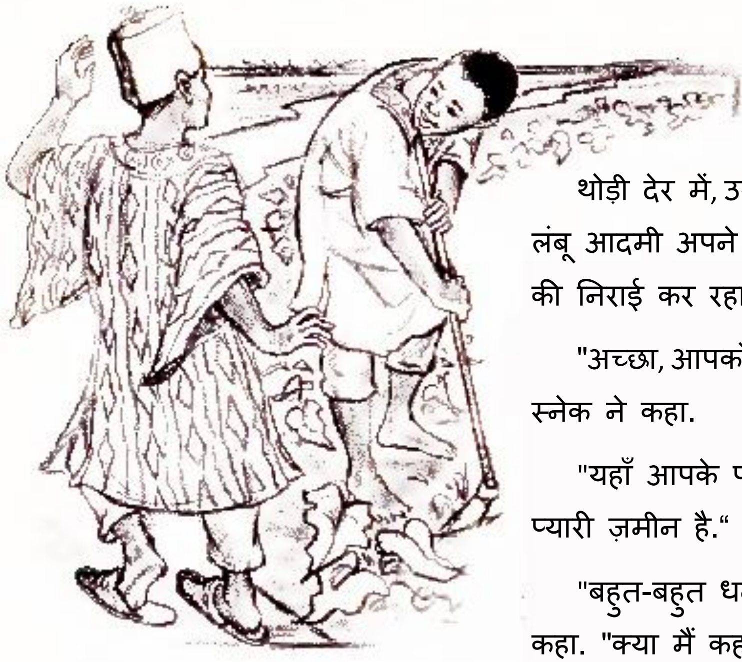
स्नेक ने यह सुनिश्चित किया कि दोनों आदमी एक साथ काम न कर रहे हों. फिर वह टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडी पर टहलता हुआ चला. सबसे पहले उसे छोटू मिला, जो अपनी फलियाँ बाँध रहा था.

"नमस्ते, पड़ोसी," स्नेक ने कहा. "तुम्हारी फलियाँ कितनी सुंदर हैं.“

"क्यों, धन्यवाद," छोटू ने कहा. "वैसे तुम्हारी टोपी भी बेहद सुंदर और लाल है!“

"टोपी पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद," स्नेक ने कहा. "यह एक नई टोपी है, और मैंने आज वो पहली बार पहनी है."

स्नेक ने अपनी टोपी सीधी की और वो आगे बढ़ा.



थोड़ी देर में, उसने देखा कि लंबू आदमी अपने रतालू के खेत की निराई कर रहा है.

"अच्छा, आपको नमस्कार," स्नेक ने कहा.

"यहाँ आपके पास कितनी प्यारी ज़मीन है."

"बहुत-बहुत धन्यवाद," लंबू ने कहा. "क्या मैं कह सकता हूँ कि वो सुंदर नीली टोपी आप पर काफी जंच रही है."

"टोपी पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद," स्नेक ने कहा. "यह एक नई टोपी है, और मैंने आज इसे पहली बार पहनी है." ऐसा कहकर, स्नेक फुटपाथ पर आगे बढ़ता रहा और जंगल के रास्ते घर की ओर चल पड़ा.

कुछ मिनट बाद, लंबू और छोटू ने एक साथ बैठकर पके हुए रतालू खाए.

"क्या तुमने उस आदमी को देखा जो अभी यहाँ से गुजरा था - नीली टोपी वाला आदमी?" लंबू ने पूछा.

"हां, दोस्त, मैंने निश्चित रूप से उस सज्जन को देखा, लेकिन वह लाल टोपी पहने हुए था. टोपी काफी सुंदर भी थी."

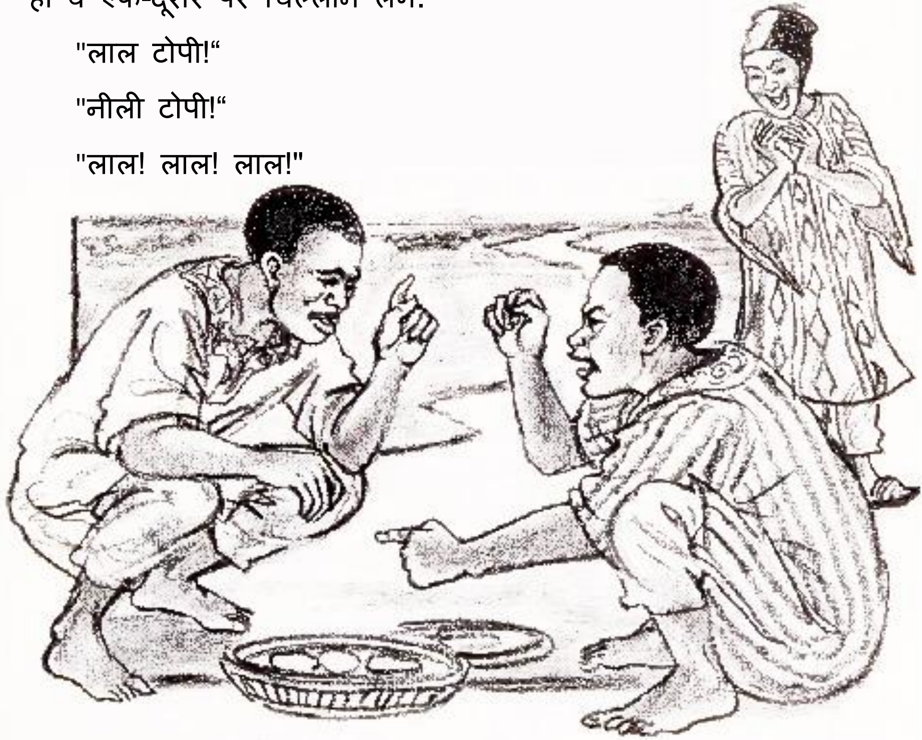
"लाल टोपी? शायद आज तुमने बहुत देर तक धूप में काम किया है," लंबू हँसा. "उस आदमी ने नीली टोपी पहनी थी. मैंने उस आदमी से इस बारे में बात भी की थी."

लंबू यह नहीं समझ पाया कि छोटू इस बात पर क्यों जोर दे रहा था कि उस आदमी की टोपी लाल थी. वह उसकी बात पर विश्वास क्यों नहीं कर रहा था. उसने टोपी खुद अपनी आँखों से देखी थी और वो नीली थी? छोटू आदमी इस बात से क्रोधित था कि लंबू आदमी टोपी के रंग के बारे में उस पर शक कर रहा था. जल्द ही वे एक-दूसरे पर चिल्लाने लगे.

"लाल टोपी!“

"नीली टोपी!“

"लाल! लाल! लाल!"



वे बस हाथापाई करने ही वाले थे कि तभी स्नेक फिर वहाँ से आया. "ओह, हो!" उसने कहा. "यह क्या चल रहा है? दुनिया के दो सबसे अच्छे दोस्त आपस में क्यों लड़ रहे हैं?“

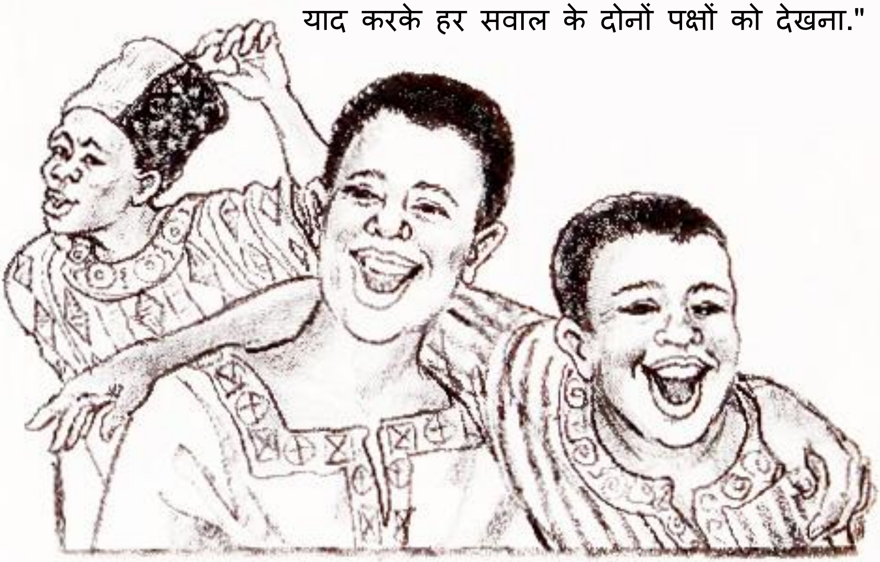
लंबू और छोटू ने एक पल के लिए चिल्लाना बंद किया और वे स्नेक को घूरने लगे. "हमें अकेला छोड़ दो." उन्होंने कहा. "हम तुम्हारी टोपी के रंग को लेकर लड़ रहे हैं!"

स्नेक हँसा. "शायद तुम्हें मेरी टोपी को और ध्यान लगाकर देखना चाहिए," उसने मज़ाक करते हुए किया.

उसी क्षण, लंबू और छोटू एक को एहसास हुआ कि स्नेक की टोपी एक तरफ लाल और दूसरी तरफ से नीली थी.

"हम अपने पूरे जीवन भर एक-दूसरे के दोस्त रहे हैं, फिर भी तुमने हम दोनों में बहस और लड़ाई करवाई!" वे चिल्लाए.

"मुझे दोष मत दो," स्नेक ने उत्तर दिया. "तुम दोनों सही थे, पर तुम दोनों गलत भी थे. मैंने तुम्हें लड़ने के लिए नहीं कहा. तुम दोनों ने मेरी टोपी को अपने-अपने नज़रिए से देखा. भविष्य में, याद करके हर सवाल के दोनों पक्षों को देखना."



लंबू और छोटू स्नेक से सहमत हुए. यह उनकी पहली और एकमात्र लड़ाई थी. उन्होंने जल्द ही अपने गांव की युवतियों से शादी कर ली और अपने-अपने परिवार बसाए. यह उनकी नियति थी और वे जीवन भर सबसे अच्छे दोस्त बने रहे.

अंत